वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 115 | बुधवार 23 अगस्त 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

लोकतंत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में सीपीए के प्रयास सराहनीयः उपराष्ट्रपति

सदन की गरिमा बनाए रखना जरूरी, जनप्रतिनिधि कौशल संवर्धन पर निरंतर कार्य करें: लोकसभा अध्यक्ष

सीपीए के पुनर्गठन सहित महत्वपूर्ण निर्णयों के साथ 9वां सीपीए भारत क्षेत्र सम्मेलन संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती तथा जनप्रतिनिधियों की दक्षता वृद्धि की दिशा में सतत प्रयासरत राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ भारत का उदयपुर में चल रहा 9वां दो दिवसीय सम्मेलन मंगलवार को संपन्न हुआ। इसमें सीपीए को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए उसके पुनर्गठन सहित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सम्मेलन के समापन सत्र को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बतौर मुख्य अतिथि संबोधित किया। उप राष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष और विधानसभा अध्यक्ष दोनों का ही कार्यकाल सराहनीय रहा है। सीपीए अध्यक्ष से निरंतर संवाद बना रहता है और हम विचारों को साझा करते हैं। हमारे देश में गांव, ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं संविधान द्वारा प्रदत्त हैं, जो विश्व में अनूठा उदाहरण है। लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने की दिशा में सकारात्मक प्रयास करने की जरूरत बताते हुए उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को आमजन का रोल मॉडल बनना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि वे इस बात से चिंतित हैं सदनों में चर्चा का स्तर गिरा है। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व में निवेश की पसंदीदा जगह है, हम विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। उन्होंने कहा कि सांसद और विधायकों को कुछ विशेषाधिकार मिलते हैं, जिनका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। उन्होंने लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती तथा जनप्रतिनिधियों की दक्षता वृद्धि करते हुए उन्हें जवाबदेह बनाने की दिशा में सीपीए के प्रयासों की सराहना की। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि लोकतंत्र के सशक्तिकरण में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सदन में जनप्रतिनिधियों को शब्दों की मयार्दा का ध्यान रखना चाहिए। सदन की गरिमा बनी रहनी चाहिए क्योंकि गरिमा का अवमूल्यन हो रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में सीपीए काफी अच्छा कार्य कर रहा है और राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष भी निरंतर सीपीए के प्रयासों को सफल बनाने में जुटे हुए हैं। समापन सत्र को संबोधित करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि दो दिवसीय सम्मेलन सफल रहा और सम्मेलन में हुए विचार-विमर्श से विधानमंडलों के समक्ष प्रस्तुत वर्तमान और भावी चुनौतियों के समाधान में बहुत मदद मिलेगी। बिरला ने यह भी कहा कि बदलते परिप्रेक्ष्य में, हमें अपनी संस्थाओं के अंदर विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्रभावी ढंग से उपयोग करना चाहिए ताकि हमारी संस्थाएं प्रभावी परिणाम ला सकें। बिरला ने इस बात पर भी जोर दिया कि हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि

प्रमुख वैश्विक चुनौतियों का समाधान भारत से निकले। वर्तमान समय में आधुनिक कानूनों की आवश्यकता का उल्लेख करते हुए, बिरला ने कहा कि यदि हम अपने देश को विकास और समृद्धि के पथ पर ले जाना चाहते हैं, तो हमें वर्तमान समय की प्रासंगिकता और आवश्यकताओं के अनुरूप अप्रचलित कानूनों के स्थान पर नए कानून लाने होंगे। हम कानूनों में

आवश्यक परिवर्तन करके, पारदर्शी और जवाबदेह शासन व्यवस्था के साथ लोगों के जीवन में सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन करते हुए विकसित भारत की ओर आगे बढ़ेंगे। बिरला ने यह भी कहा कि विधानमंडल वर्तमान और भावी चुनौतियों से निपटने के लिए गहन विचार और चर्चा का मंच हैं। सम्मेलन के विषय के बारे में बात करते हुए, बिरला ने इस बात पर प्रकाश डाला कि डिजिटल माध्यमों से विधानमंडलों को जनता से जोड़कर, हम अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही के द्वारा सुशासन सुनिश्चित कर सकते हैं। बिरला ने पीठासीन अधिकारियों से आग्रह किया कि एक राष्ट्र एक विधायी मंच को लागू किया जाए और विधायकों का क्षमता निर्माण भी किया जाए, जिससे न केवल विधानमंडलों की प्रभावशीलता और प्रभावकारिता में सुधार होगा, बल्कि विधानमंडलों और जनता के बीच की दूरी भी कम होगी। बिरला ने यह जानकारी भी दी कि 9वें सीपीए सम्मेलन में विधायी निकायों के बीच बेहतर संवाद और समन्वय के लिए सीपीए इंडिया रीजन जोन को नौ नए क्षेत्रों में पुनर्गठित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सीपीए इंडिया रीजन के पुनर्गठन से जोन के भीतर और बाहर जन प्रतिनिधियों की व्यापक भागीदारी से सीपीए इंडिया क्षेत्र की गतिविधियों में वृद्धि होगी और लोकतांत्रिक भावना को बढ़ावा मिलेगा। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी ने सम्मेलन को सफल बनाने के लिए सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने उपराष्ट्रपति एवं लोकसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इनकी उपस्थिति से सम्मेलन की गरिमा बढ़ी है। उन्होंने कहा कि आमजन लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास करता है। डिजिटल युग में नई प्रकार की डेमोक्रेसी की परिकल्पना सामने आई है। आमजन आईटी के माध्यम से अधिकारों के प्रति सजग हुआ है। इसी के साथ जनप्रतिनिधियों को भी और अधिक सजग होना पड़ेगा। विधानसभा में डिस्कशन और निर्णय हों, ऐसी नीतियां बने जिससे निरंतर देश को लाभ मिले। डॉ. जोशी ने कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि विधान मंडलों को अधिक प्रभावी बनाएं, कार्यपालिका को जवाबदेही बनाएं। समापन समारोह में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत क्षेत्र की राजस्थान शाखा द्वारा किया जाए किए गए कार्यों पर आधारित एक लघु फिल्म भी दिखाई गई। अंत में राष्ट्रगान के साथ सम्मेलन का समापन हुआ।

श्री डिग्गी कल्याण जी महाराज की लक्खी पद यात्रा प्रारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री डिग्गी कल्याण जी महाराज की लक्खी पदयात्रा का शुभारंभ आज हुआ। इस अवसर पर राजस्थान सरकार राज्य मंत्री राजीव अरोड़ा राजस्थान लघु उद्योग के विकास निगम के अध्यक्ष, प्रमोद जैन भंवर संयोजक व्यापार प्रकोष्ठ आदर्श नगर विधानसभा भारतीय जनता पार्टी, प्रमुख समाजसेवी एवं भारतीय प्रदेश कांग्रेस कमेटी पूर्व सदस्य अक्षय जैन बंटी मोदी, पार्षद राजेश कुमावत, अभिषेक सैनी, विकास चौधरी के साथ साथ अनेक गण मान्य नागरिकों ने यात्रियों का स्वागत किया।

जैन धर्म के 22 वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ का जन्म एवं तप कल्याण मनाया जोर-शोर से

फागी. शाबाश इंडिया। फागी कस्बे में आर्यिका श्रुतमति माताजी, आर्यिका सुबोध मति माताजी का पावन चातुर्मास 2023 में धर्म की भव्य प्रभावना बढ़ा रही है। जैन महासभा के मीडिया प्रवक्ता राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि परिक्षेत्र के चकवाडा, चौरू ,नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा ,एवं लदाना सहित कस्बे के आदिनाथ भगवान जिनालय, मुनिसुव्रत नाथ जिनालय ,पार्श्वनाथ जिनालय , चंद्रप्रभु नसियां, सहित कस्बे के सभी जिनालयों में जैन धर्म के 22 तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान का जन्म एवं तप कल्याण जोर शोर से मनाया गया ।इससे पूर्व कार्यक्रम में आज श्रीजी का अभिषेक, शांति धारा, एवं अष्टद्रव्यों से पूजा हुई। इसी कड़ी में आदिनाथ मंदिर में नेमिनाथ भगवान का जन्म एवं तप कल्याण का भक्ति भाव के साथ सामूहिक रूप से अर्घ्य चढ़ाया गया। कार्यक्रम में फागी पंचायत के पूर्व सरपंच ताराचंद जैन, प्रेमचंद भंवसा, सुरेश सांघी, केलास कासलीवाल, महावीर अजमेरा, ओमप्रकाश कासलीवाल , शांतिलाल सेठी,शांतिलाल जैन धमाणा, राजेश छाबड़ा,शिखर चंद गंगवाल, एडवोकेट रविजैन, तथा मिडिया के राजाबाबु गोधा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा शांति विधान का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ का सावन की फुहार कार्यक्रम दिनांक 20 अगस्त खो नागोरिया गोनेर रोड पर संपन्न हुआ। ग्रुप अध्यक्ष राहुल जैन ने बताया कि शांति धारा राजेंद्र जैन सचिव ,मंगल कलश विजय जैन एवं अन्य कलश संयम जैन, मनोज जैन विनोद जैन एवं राहुल जैन द्वारा स्थापना की। अखंड दीपक की स्थापना महेंद्र जैन द्वारा की गई। शांति विधान साक्षी जैन प्रसिद्ध गायिका द्वारा करवाया गया ।सभी सदस्यों ने मंत्रमुग्ध कर भक्ति भाव से शांति विधान का आयोजन किया। सभी सदस्यों ने पौधरोपण भी किया लकी ड्रॉ पारितोषिक मुख्य समन्वयक अनिल नीरा गदिया द्वारा दिए गए ।सावन हाउजी के पारितोषिक, सुकेश सपना काला, संजय निशा गोधा, पंकज पिंकी पाटनी, सुधीर नीलू जैन द्वारा दिये गये । कार्यक्रम में मनीष झंझरी इंटरनेशनल डायरेक्टर एवं संस्थापक अध्यक्ष, अभय गंगवाल पूर्व अध्यक्ष, संजय जैन पूर्व अध्यक्ष, सुनील सोगानी उपाध्यक्ष, सुकेश काला संगठन मंत्री, संजय काला कोषाध्यक्ष एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे ।महेंद्र जैन द्वारा फूड कोऑर्डिनेटर की अहम भूमिका निभाई। हर घर तिरंगा के पारितोषिक ग्रुप अध्यक्ष राहुल रश्मि जैन द्वारा दिये गए।

भगवान श्री नेमीनाथ के जन्म एवम तप कल्याणक के महोत्सव पर निकाली भव्य शोभा यात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के 22 वें तीर्थंकर 1008 भगवान श्री नेमीनाथ के जन्म एवम तप कल्याणक के महोत्सव पर श्री दिगंबर जैन मंदिर जी लश्कर जी बोरड़ी का रास्ता किशनपोल बाजार जयपुर से भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। यात्रा मंदिर जी प्रांगण से मनिहारों का रास्ता, अजायबघर का रास्ता, आरोग्य भारती एवम पंडित शिवदीन जी के रास्ते होते हुए वापस मंदिर जी पर आकर समाप्त हुई। संपूर्ण जैन समाज के द्वारा मार्ग में यात्रा का इस अवसर पर आरती एवम भजन के साथ स्वागत किया। सभी ने हर्षोल्लास सहित शोभा यात्रा का आनंद लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रभारी डॉक्टर सुशील कासलीवाल ने बताया कि शोभा यात्रा के उपरांत श्रीजी के अभिषेक किए गए एवम श्रीजी की माला एडवोकेट गेंदी लाल जी शाह के परिवार द्वारा पहनी गई। अंत में प्रबंध कार्यकारिणी द्वारा उपस्थित सभी सदस्यों का हार्दिक आभार व्यक्त किया गया ।

उत्तम कुमार पांड्या लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रमुख समाज सेवी उत्तम कुमार पांड्या को केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन, जयपुर द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समाज के गण मान्य नागरिकों ने बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी।

विद्याधर नगर में सतरंगी तीज महोत्सव का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया।
विद्याधर नगर जयपुर स्तिथ श्री सर्वेश्वर महादेव मंदिर के प्रांगण में सतरंगी तीज महोत्सव का कार्यक्रम विद्याधर महिला मण्डल ने बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। सतरंगी लहरियाँ पहनकर रंगारंग खेलों के साथ गीत संगीत का आयोजन भी रखा गया। कार्यक्रम की संयोजिका सुमित्रा पारीक और प्रिया खन्ना ने जानकारी दी की लगभग 200 महिलाओं ने और उनके परिवार जन ने भोजन प्रसादी का आनंद लेते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जब तक मनुष्य के पुण्य प्रबल है तब तक उसका बाल भी बांका नहीं होने वाला है: साध्वी धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया
चैन्नई । पुण्य रक्षा करता है और पाप मनुष्य को डूबोता है।मंगलवार साहूकार पेठ जैन भवन मे महासती धर्मप्रभा ने तपस्याथीयो और सैकड़ों श्रध्दांलूओ को सम्बोधित करतें हुए कहा कि मनुष्य के जब तक पुण्य प्रबल है तो उसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता है। लेकिन जिस दिन मनुष्य के पुण्य खत्म हो गये और पापो का उदय हो जाने पर उसकी रक्षा भगवान भी नहीं कर सकता है। इंसान जीवन मे कितनी भी दौलत और धन संपदा को प्राप्त कर लेवें लेकिन मरने के प्रश्चात हम अपने साथ एक फूटी कोड़ी भी नहीं ले जा सकता है। हमारे मरने बाद मे हमारे साथ मे कोई जाएगा तो वह धर्म और पुण्य ही जाएगा। धन दौलत साथ मे नहीं जाने वाली है। जितनी हमारी पुण्यवानी बढ़ेंगी उतनी ही हमारी आत्मा निर्मल एवं पवित्र बनेगी। जब तक मनुष्य के जीवन मे काम क्रोध घंमड लोभ और पाप विद्यमान रहेगा, तब तक वो सुख नहीं भोग सकता है, और नाहि अपनी आत्मा का संसार से कल्याण करवा सकता है। पुण्यावानी को बढ़ाने पर ही हम अपनी आत्मा का जगत से कल्याण और उत्थान करवा सकतें है। साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्ताराध्ययन सूत्र का वांचन करतें हुए बताया कि पाप पुण्य को शून्य कर देता है और आत्मा को मलिन बना मे कोई कसर नहीं छोड़ता है। पाप हमे दुखः देता है, और पुण्य हमारे जीवन को पवित्र बनातें है । फिर भी मनुष्य अज्ञान मे जीवन जी रहा है और पाप पर पाप करने मे नहीं घबरा रहा है। पाप करने से जीवन मे सम्मान नही मिलने वाला है अपमान ही मिलेगा। मन मे खोट रखकर जो मनुष्य पुण्य करता वह व्यक्ति पुण्या वानी को नहीं बांध सकता है । पुण्यवानी तभी बढ़ सकती है जब व्यक्ति के मन मे करूणा,दया, सहजता सरलता,सेवा की भावना रखकर जो इंसान पुण्य करता है वही पुण्यावानी को बांध सकता है।और समाज मे मान सम्मान को प्राप्त कर सकता है।श्री संघ साहूकार पेठ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने बताया कि इसदौरान धर्मसभा मे सोनिका डागा ने ग्यारह उपवास रितिक सिसोदिया, हर्षित बाफना,रविना वैदमूथा एवं रिध्दी कांकलिया नो उपवास तथा अनेक भाई -बहनों ने पांच और चार उपवास के साध्वी धर्मप्रभा से प्रत्याख्यान लिए।

वेद ज्ञान

प्रार्थना मनुष्य की आत्मा का भोजन

प्रार्थना मनुष्य की आत्मा का भोजन है। इसे जीवन का अनिवार्य अंग होना चाहिए। आत्मबल की उपलब्धि इसके बिना संभव भी नहीं। प्रार्थना मानव जीवन का सर्वाधिक सशक्त व सूक्ष्म एक ऐसा ऊर्जा-स्रोत है जिसे कोई भी उत्पादित-अभिवर्धित करके अपने को प्राणवान और प्रतिभा संपन्न व्यक्तियों की श्रेणी में सम्मिलित कर सकता है। हमारी अभिलाषाओं की पूर्ति के लिए ऋषियों ने तीन प्रकार के मार्ग चयनित किए हैं-कर्म, चिंतन और प्रार्थना। तीनों के समन्वित प्रयासों के माध्यम से ही जीवन लक्ष्य की प्राप्ति होती है। प्रायः देखा जाता है कि मनुष्य प्रथम दो मार्गों पर चलने का तो प्रयास करता है, परंतु अति महत्वपूर्ण प्रार्थना पक्ष को विस्मृत कर बैठता है। चिंतन और क्रिया के सामान्य जीवनक्रम से जुड़े रहने पर अपने अस्तित्व का वास्तविक ज्ञान आसानी से हो जाता है, पर विकृतियों को छुड़ाने के लिए प्रार्थना का ही सहयोग लेना पड़ता है। प्रार्थना को प्रभावशाली बनाना ही मनुष्य जीवन का लक्ष्य होना चाहिए। प्रार्थना के कुछ सामान्य नियम हैं-जीवन व्यापार के प्रत्येक क्षेत्र में प्रभु की साझेदारी को अति प्रमुखता देना। इसके सहारे कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बनी रहती है और दूरदर्शिता का विकास चलता रहता है। प्रभु की उपस्थिति का सतत आभास प्रार्थना में होना चाहिए। यह प्रार्थना मानव जीवन को ऊंचा उठाती है। आत्मोत्कर्ष के मार्ग में आगे-आगे कदम बढ़ा सकना कोई कठिन कार्य नहीं है। प्रार्थना में अंतःकरण की गहराई से प्रभु को पुकारिए, वह इतनी भावनापूर्ण हो जिससे प्रभुसत्ता का अनुदान, वरदान, स्नेह, सहयोग के रूप में टपकता-बरसता स्पष्ट दिखाई दे। अंतःकरण से की गई सच्ची पुकार को परमात्मा कभी अनसुनी नहीं करता। वह अपना परिचय अंतस चेतना में उठती सद्प्रेरणाओं, सद्भावनाओं के रूप में शीघ्र देता है। बाद में प्रत्यक्ष सहयोग-सहकार भी सर्वत्र बरसने लगता है। प्रार्थना के साथ दूसरों के कल्याण की भावना भी सन्निहित हो तभी उसका उत्तर प्राप्त होता है। समर्थ सत्ता के समक्ष अपनी इच्छा-आकांक्षा रखते समय इस बात का ध्यान रखें कि उसमें कहीं संकीर्ण स्वार्थपरता तो प्रवेश नहीं कर रही है।

संपादकीय

मणिपुर के उखरूल जिले में मिले तीन युवकों के शव

मणिपुर में हिंसा की ताजा घटनाओं ने चिंता का दायरा इस रूप में बढ़ा दिया है कि क्या अब नगा समुदाय भी इसमें एक पक्ष के रूप में शामिल हो रहा है! इससे पहले हिंसा और टकराव मुख्य रूप से कुकी और मैतेई समुदायों के बीच था। लंबे समय तक चले प्रयासों की वजह से प्रशासनिक उपायों के बाद पिछले कुछ दिनों तक हिंसक घटनाओं में कुछ कमी देखी जा रही थी। इससे शांति की उम्मीद बंध रही थी। मगर हिंसा का नया दौर चिंता बढ़ाने वाला है। दरअसल, राज्य के उखरूल जिले के थोवई गांव में शुक्रवार को भारी गोलीबारी के बाद तीन युवकों के क्षत-विक्षत शव पाए गए। उखरूल जिला तांगखुल नगा बहुल है और अब तक अपेक्षया शांत था। इस इलाके में हिंसा की यह पहली घटना है। खबरों के मुताबिक तीन युवकों पर उस समय हमला हुआ, जब वे अपने गांव थोवई की रखवाली कर रहे थे। थोवई कुकी समुदाय का गांव है। हालांकि सीमा सुरक्षा बल और पुलिस ने आरोपियों की तलाश की बात कही है, लेकिन अब नए सिरे से ये सवाल उठने लगे हैं कि क्या हिंसा की आग में अब नगा भी कूद पड़े हैं! अगर वास्तव में ऐसा होता है तो पहले से ही जातीय संघर्ष से जूझ रहे मणिपुर में हालात और मुश्किल होंगे, इसका दायरा कुछ पड़ोसी राज्यों को भी प्रभावित कर सकता है। सवाल है कि करीब तीन महीने पहले शुरू हुई हिंसा और अराजकता अगर अब भी नहीं थम सकी है, तो इसकी जिम्मेदारी किस पर है। सही है कि इस बीच सरकार की ओर से हर स्तर पर सख्ती बरतने, शांति कायम करने के लिए सेना तक उतारने की कवायदें की गईं। हिंसा रोकने के लिए केंद्र सरकार ने शांति समिति भी गठित की, लेकिन ऐसा लगता है कि इस सबका कोई खास असर नहीं पड़ा। एक छोटे से राज्य में हिंसा पर काबू पाना अब भी मुश्किल बना हुआ है। मई की शुरूआत से जारी जातीय हिंसा ने राज्य को एक तरह से अलग-अलग हिस्सों में विभाजित कर दिया है। मैतेई समुदाय को जनजाति के दर्जे की बात से शुरू हुआ टकराव अब भी जिस रूप में जारी है, वह राज्य के साथ-साथ समूचे देश के लिए चिंता का कारण होता जा रहा है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि लगातार हिंसक घटनाओं के बाद अब कुकी इलाकों में अलग प्रशासन तक की मांग तेज हो रही है। ऐसी स्थिति में नगा संगठनों की ओर से भी यह मांग उठ रही है कि ह्यकिसी अन्य समुदायह्ण की मांगों पर गौर करते हुए नगा हित प्रभावित न हों। मणिपुर में जो हालात हैं, उसमें यह चिंता स्वाभाविक हो सकती है, लेकिन अगर आगे नगा समुदाय के भी उग्र या हिंसक होने की स्थितियां बनती हैं तो इससे समस्या का कोई हल नहीं निकलेगा, बल्कि हालात और जटिल ही होंगे। हालांकि यह आशंका भी जताई जा रही है कि ताजा हिंसा किसी अन्य पक्ष की ओर से समस्या को उलझाने की कोशिश भी हो सकती है! मुश्किल यह है कि हिंसा के इतना लंबा वक्त खिंचने के बावजूद सरकार अलग-अलग पक्षों को वार्ता के मंच पर लाकर कोई हल निकालने में नाकाम रही है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

नाकामी!

मामूली रंजिश के चलते भी जब किसी की हत्या कर देने में अपराधियों के हाथ नहीं कांपते, तो इसे कानून-व्यवस्था की बड़ी नाकामी ही माना जाना चाहिए। बिहार में वैसे तो नीतीश कुमार सुशासन का दम भरते नहीं थकते, मगर हकीकत यह है कि वहां हिंसा का सिलसिला अब भी थमा नहीं है। जैसे अपराधियों पर लगाम कसना सरकार के वश की बात नहीं रह गई है। इसका ताजा उदाहरण अररिया में एक पत्रकार की हत्या है। चार लोगों ने तड़के पत्रकार का दरवाजा खटखटाया और दरवाजा खोलते ही गोली मार कर उसकी हत्या कर दी। अगर अपराधियों में थोड़ा भी कानून-व्यवस्था का भय होता, तो वे निश्चित रूप से ऐसा करने से हिचकते। पुलिस ने उन चारों आरोपियों को पकड़ लिया है। बताया जा रहा है कि इस हत्या के पीछे दो और लोगों का भी हाथ था, जो पहले से जेल में बंद हैं। जिस पत्रकार की हत्या की गई, उसके पिता ने प्राथमिकी में लिखवाया है कि चार साल पहले उनके बड़े बेटे को भी इन्हीं लोगों ने गोली मार कर हत्या कर दी थी। रंजिश पुरानी है। उस हत्या का एकमात्र चश्मदीद उसका छोटा भाई यानी पत्रकार ही था और उस पर अपना बयान बदलने का लगातार दबाव बन रहा था। वह अपने बयान से नहीं मुकरा, तो उसे रास्ते से ही हटा दिया गया। इस घटना से आपराधिक वृत्ति के लोगों की दबंगई का अंदाजा लगाया जा सकता है। ऐसा नहीं माना जा सकता कि जब चश्मदीद पर बयान से मुकरने का दबाव बनाया जा रहा था, तो उसकी जानकारी पुलिस को नहीं रही होगी। मगर पुलिस ने उसकी सुरक्षा का कोई इंतजाम क्यों नहीं किया, हैरानी की बात है। कानून के मुताबिक अगर किसी गवाह को डरा-धमका कर बयान बदलने पर मजबूर किया जाता है, तो उसकी सुरक्षा के इंतजाम करना पुलिस का काम है। मगर वहां पुलिस तो शायद इस इंतजार में थी कि कोई बड़ी घटना हो जाए! ऐसी खबरें आती रही हैं कि बिहार में किस तरह अपराधी जेलों में रहते हुए भी संगठित अपराधों को अंजाम देते हैं! फिर जो बाहर घूम रहे हैं, उनसे भला किस प्रकार के भय या फिर कानून के पालन की उम्मीद की जा सकती है। यह ठीक है कि कुछ साल पहले जिस तरह बदमाश दिन-दहाड़े रंगदारी वसूलते, अपहरण कर फिरौती मांगते और मामूली बातों पर गोली दाग दिया करते थे, उसमें कुछ कमी आई है, मगर कानून-व्यवस्था का जैसा भय होना चाहिए, वह बिहार में कहीं नहीं है। जिस पत्रकार की हत्या कर दी गई, वह निश्चित रूप से जागरूक रहा होगा और पुलिस से भी उसके संपर्क रहे होंगे। जरूर उसे अपने ऊपर हमले की आशंका रही होगी। उसने इस संबंध में पुलिस को बताया भी होगा, मगर आखिरकार उसकी सुरक्षा नहीं हो सकी। देश में पुलिस और अपराधियों का गठजोड़ किसी से छिपा नहीं है। बिहार में यह कुछ अधिक ही है। इसलिए इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि बदमाशों ने इस भरोसे के साथ पत्रकार की हत्या कर दी कि बाद में मामले को अपने पक्ष में किया जा सकता है। इस घटना के बाद स्वाभाविक ही बिहार में रोष है। विपक्षी दलों को सरकार को घेरने का मौका मिल गया है। ऐसे में राज्य सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह इसे गंभीरता से लेगी और कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर और चौकसी बरतेगी।

"फेडरेशन सेवा सप्ताह के तहत संगिनी मेन उदयपुर द्वारा दो लाख से भी अधिक के सेवा कार्य"

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन मेवाड़ मारवाड़ रीजन की संगिनी मेन उदयपुर द्वारा फेडरेशन सेवा सप्ताह के दौरान विविध प्रकार सेवा प्रकल्प किए गए। ग्रुप अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने बताया कि ग्रुप की बहनों के सहयोग से इस सेवा सप्ताह के दौरान दो लाख से भी अधिक के सेवा कार्य संपादित किए गए। सेवा कार्यों के तहत पांच जरुरतमंद जैन बालिकाओं को शिक्षा हेतु पांच- पांच हजार रुपए की सहायता, स्वधर्मी परिवारों को सहायता पहुंचाना, ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन ,जीव दया क्षेत्र में पक्षी शाला निर्माण हेतु एक लाख रुपए का सहयोग,कबूतर चिड़िया तोता हेतु सोलह हजार का डोनेशन, बुजडा. व बलाफला गांव में स्टेशनरी वितरण, बच्चों में बिस्किट वितरण, वृक्षारोपण, गायों कों हरी ताजा घास खिलाने के साथ ही एनिमल एड सोसायटी को कुत्तों के ट्रीटमेंट में उनके रख रखाव व मेडिसिन हेतु डोनेशन,वृद्धजनों व रोगियों की सहायतार्थ व्हीलचेयर एवं स्टिक्स डोनेशन,अंध विद्यालय के बच्चो में देशभक्ति व इंस्ट्रूमेंटल प्रतियोगिता को आयोजन कर पारितोषिक व बिस्किट वितरण ,स्वाधीनता दिवस सेलिब्रेशन, 95 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी श्री मनोहर लाल मेहता का सम्मान,17 अगस्त को फेडरेशन डे सेलिब्रेशन, तीन अलग-अलग स्थानों पर वृक्षारोपण, महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने हेतु ड्रीमकैचर्स लाइफस्टाइल एग्जिबिशन का आयोजन आदि अनेक अनेक प्रकार के सेवा कार्य इस दौरान किए गए। इन कार्यक्रमों में मेवाड़ रीजन के बोर्ड मेंबर्स, पदाधिकारी, संगिनी कन्वीनर, जॉन को-ऑर्डिनेटर्स व ग्रुप अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन के साथ संस्थापक अध्यक्ष शकुंतला पोरवाल, संरक्षिका शंभू देवी चपलोत,उपाध्यक्ष उर्मिला जैन, सचिव स्नेहलता पोरवाल, पूर्व अध्यक्ष सरोज बोलिया,सह सचिव कमला नलवाया, कोषाध्यक्ष गुण बाला जैन, कार्यकारिणी सदस्य निरुपमा पूनमिया,नमिता मेहता, लाजवंती धाकड़,प्रेमलता चपलोत, कृष्णा भंडारी, पुष्प लता दुग्गड़,शशी जैन आदि कई संगिनी बहनें उपस्थिति रही।

डॉ प्रमिला जैन
अध्यक्ष
संगिनी मैन उदयपुर
जेएसजीआई एफ मेवाड़ मारवाड़ रीजन

जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का "मोक्ष कल्याणक पर्व" बुधवार को

प्रताप नगर में आचार्य सौरभ सागर सानिध्य में चढ़ाया जायेगा निर्वाण लड्डू, होगा "कल्याण मंदिर विधान पूजन"

जयपुर. कासं। धर्मनगरी छोटी काशी के नाम से विख्यात जयपुर के दक्षिण भाग में स्थित प्रताप नगर सेक्टर 8 टोंक रोड के शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में बुधवार को जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान स्वामी का मोक्ष कल्याणक पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। निर्वाण महोत्सव के अवसर पर आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में प्रातः 6.15 बजे से भगवान शांतिनाथ स्वामी और भगवान पार्श्वनाथ स्वामी का स्वर्ण एवं रजत कलशों से कलशाभिषेक का आयोजन होगा, इसके पश्चात आचार्य श्री के मुखारविंद भव्य वृहद शांतिधारा की जाएगी। इसके उपरांत पार्श्वनाथ भगवान का पूजन कर मंत्रोच्चारण के साथ जयमाला अर्घ का गुणगान किया जायेगा और निर्वाण लड्डू चढ़ाया जायेगा। प्रचार संयोजक सुनील साखुनियां ने बताया की बुधवार को भगवान पार्श्वनाथ स्वामी के निर्वाण महोत्सव के अवसर पर प्रातः 7.30 बजे पंडित संदीप जैन सेजल के निर्देशन में कल्याण मंदिर विधान पूजन प्रारंभ किया जायेगा। जिसमें पुण्यर्जक अमरचंद, गजेंद्र, हर्षिल बड़जात्या परिवार सहित 150 से अधिक श्रावक और श्राविकाएं सम्मिलित होगे और अष्ट द्रव्य अर्घ के साथ विधान पूजन करेगे, इस बीच प्रातः 8.30 बजे आचार्य सौरभ सागर महाराज के मंगल प्रवचन भी संपन्न होगे। शाम 6.30 बजे श्री जी की मंगल आरती, आचार्य श्री की आरती की जाएगी इस दौरान गुरुभक्ति और शंका समाधान का आयोजन भी होगा।

लीनेस क्लब स्वरा ने नेत्रहीन बच्चों को कराया भोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

अपने सामाजिक सरोकारों के कार्यक्रम की श्रंखला में लीनेस क्लब स्वरा ने गणगोरी बाजार स्थित नेत्रहीन बच्चों के आश्रम में बच्चों को भोजन करवाया और उनके साथ कुछ अच्छे पलों को साझा किया। क्लब सदस्यों द्वारा इस अवसर पर दो नेत्रहीन बच्चों की फीस भी जमा करवाई गई। यह जानकारी देते हुए क्लब की अध्यक्षा स्वाति जैन और सचिव मोना जैन ने बताया इस कार्यक्रम की पुण्यार्जक अमृता सोनू जैन रही।

विधान रचाने से लोभ प्रवृत्ति मिटती है : गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी जिला - टोंक (राज.) के तत्वावधान में गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सान्निध्य में राजेंद्र जयपुर वालों ने श्री 1008 शांतिनाथ महामण्डल विधान रचाया। बड़े ही भक्ति - भावों से 120 अर्घ्य चढ़ाकर आराधना की गई । प्रतिदिन चल रही शांतिधारा में आज की शांतिधारा देखने जयपुर, निवाई, चाकसू , अजमेर व मित्रपुरा के लोगों ने भाग लिया। अरिष्ट नेमिनाथ भगवान के जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव पर वृहद शान्तिधारा करने का सौभाग्य हर्षचन्द मित्रपुरा वालों को प्राप्त हुआ। गुरु माँ ने प्रवचन देते हुए कहा कि - जो विघ्नों को ध्वंस करें वो विधान है। अष्ट द्रव्य से विधि पूर्वक जो बड़ी पूजन की जाती है उसे विधान कहते हैं। आठों द्रव्य ही संसार के दुःखों से मुक्त होने की प्रेरणा देती है और गृहस्थ जीवन में दान भावना को जागृत करती है। अष्ट द्रव्य पूर्वक विधान रचाने से लोभ या संग्रह की प्रवृत्ति मिटती है। आगामी 23 अगस्त को भगवान पार्श्वनाथ जी के मोक्ष कल्याणक महोत्सव के शुभ अवसर पर 23 किलो का लड्डू चढ़ाया जायेगा।

श्रावक श्रेष्ठ पदमचंद गांधी ''साहित्य गौरव'' से सम्मानित

इंदौर. शाबाश इंडिया

श्री मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति सभागार इंदौर में राष्ट्रीय शिक्षक संघ चेतना का 32 वा अखिल भारतीय अलंकरण समारोह में पदमचंद गांधी जयपुर को हिंदी साहित्य सृजन हेतु उनके द्वारा रचित विभिन्न विषयों पर लेखों के विविध पत्र-पत्रिकाओं में के प्रकाशन एवं उत्कृष्ट लेखन कार्य हेतु 'साहित्य गौरव' से सम्मानित किया गया। गांधी इससे पूर्व राष्ट्रीय गौरव, जिनवाणी सम्मान, श्रेष्ठ श्रावक एवं अन्य कई सम्मान से सम्मानित हो चुके हैं। राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान समारोह का आयोजन श्री मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति इंदौर, राष्ट्रीय शिक्षक संघ चेतना केंद्र उज्जैन, नागरी लिपि परिषद इकाई मध्य प्रदेश, श्री मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति इंदौर, तथा हिंदी प्रचार इकाई उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान के रूप में आयोजित हुआ।

भगवान श्री नेमीनाथजी का जन्म एवं तप कल्याणक दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर के नजदीक आमेर की सुरम्य वादियों में स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर नेमीनाथ (सांवला जी) आमेर मे अति प्राचीन मूलनायक 1008 भगवान श्री नेमीनाथ जी का जन्म एवं तप कल्याणक दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। क्षेत्र के नव मनोनित मानद् मंत्री सुभाषचन्द जैन (जौहरी) ने बताया कि इस शुभ अवसर पर अभिषेक, शांतिधारा के उपरान्त भगवान श्री नेमीनाथ जी की पूजा अर्चना कर जन्म एवं तप कल्याणक के अर्घ चढाये गये । कार्यक्रम मे क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष सुंधाशु कासलीवाल, सदस्य एवं संयोजक प्रदीप कुमार जैन, क्षेत्र की अन्य मन्दिरा-समिति के सदस्य योगेश टोडरका प्रदीप ठोलिया, सहित जिनेन्द्र सेठी आदि धर्मावलम्बी उपस्थित थे। क्षेत्र के मानद् मंत्री सुभाषचन्द जैन ने बताया कि कि श्री दिगम्बर जैन मंदिर नेमीनाथ (सावंला जी) के प्रबन्धकर्ता , प्रबन्धकारिणी कमेटी दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी है।

''सामूहिक क्षमापना पर्व समारोह का आयोजन''

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति ब्यावर द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी. जी. महाविद्यालय में आज दिनांक 22 अगस्त 2023, मंगलवार को ''सामूहिक क्षमापना पर्व'' का आयोजन किया गया । इस अवसर पर मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख ने क्षमापना पर्व के बारे में बताते हुए कहा कि क्षमा वीरस्य भूषणम ही जैन धर्म का गहना है। उन्होंने कहा कि आज के दिन किसी को राग द्वेष की गांठ नहीं रखनी चाहिये । एक दूसरे से मन से क्षमा करने व क्षमा याचना करने का दिन है। क्षमा वही कर सकता है जिसकी भावना पवित्र होती है। जैन धर्म की परंपरा के अनुसार पयुषर्ण पर्व के अंतिम दिन क्षमापना दिवस पर एक दूसरे से ''मिच्छामी दुक्कड़म'' कहकर क्षमा मांगते हैं। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. आर. सी. लोढ़ा ने भी उपस्थित सभी जन से सामूहिक क्षमा याचना करते हुए कहा कि क्षमा की भावना प्रेम एवं सहयोग का विस्तार करती है जो सामाजिक जीवन के लिए अत्यन्त आवश्यक है। क्षमा अहिंसा एवं मैत्री का पर्व है। क्षमा याचना के माध्यम से आत्मशुद्धि और मनोमालिन्य दूर करने का अवसर प्राप्त होता है। इस दिन केवल व्यक्तियों से ही नहीं अपितु संसार के सभी जीव-जन्तु एवं प्रकृति से भी क्षमा याचना करनी चाहिए। महाविद्यालय की समस्त छात्राओं ने जैन धर्म की अनुपालना करते हुए परस्पर क्षमा याचना की।

जैन सोशल ग्रुप अरिहंत ने जीव दया व मानव सेवार्थ कार्यक्रम आयोजित किए

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन नॉर्दर्न रीजन के तत्वावधान में सभी जैन सोशल ग्रुप्स के लिए हर वर्ष की तरह सेवा सप्ताह जीव दया एवं मानव सेवा कार्य हेतु 13 अगस्त 2023 से 20 अगस्त 2023 के मध्य सेवार्थ कार्यक्रम रखा गया। इस योजना के अंतर्गत जैन सोशल ग्रुप अरिहंत परिवार ने अपने सभी दंपत्ति सदस्यों के सहयोग से जीव दया एवं मानव सेवार्थ सेवाओं के लिए ग्रुप के सभी दंपति सदस्यों ने प्रसन्नतापूर्वक अपनी यथाशक्ति नेक कार्य के लिए श्रम प्रदान किया। इस कार्य में सर्वप्रथम गौशाला में चारा एवं कबूतरों को दाना, जरूरतमंदों को इंदिरा रसोई के माध्यम से भोजन वितरण, 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर सरकारी स्कूलों में फल एवं मिठाई का वितरण, पर्यावरण सुरक्षा के लिए वृक्षारोपण , नेत्रहीन स्कूल में बच्चों के लिए भोजन व्यवस्था एवं बच्चों को गिफ्ट देकर प्रोत्साहित किया, कोढ आश्रम में वस्त्रों का वितरण, सेवार्थ कार्यक्रम के अंतिम दिवस में वृद्ध आश्रम में बुजुर्गों को भोजन व्यवस्था प्रदान की। अरिहंत ग्रुप के सचिव कमलेश चांदवाड में बताया कि सेवा सप्ताह का यह कार्य जैन सोशल ग्रुप परिवार के सभी सदस्यों ने उत्साह और हर्ष के साथ में संपन्न किया।

जनकपुरी में नेमिनाथ के जन्म व तप कल्याणक के सुअवसर पर हुई दीक्षार्थी की गोद भराई

जयपुर. कासं। जनकपुरी-ज्योतिनगर जैन मंदिर में मंगलवार को जैन धर्म के बाईसवें तीर्थंकर मूल नायक श्री 1008 नेमिनाथ भगवान का जन्म व तप कल्याणक आर्यिका श्री 105 विशेष मति माताजी के सानिध्य में मनाया गया तथा इस विशेष अवसर पर दीक्षार्थी विमला दीदी की समाज द्वारा गोद भराई का मांगलिक कार्यक्रम किया गया। प्रातः अभिषेक शान्तिधारा व पूजन के बाद आर्यिका माताजी के प्रवचन हुए तथा उसके बाद दीक्षार्थी दीदी को तिलक मुकुट व मालायें पहना कर अभिनंदन किया गया। संघस्थ सविता दीदी , प्रेम दीदी, प्रबंध समिति के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला, महिला मण्डल अध्यक्षा शकुंतला बिंदायक्यक, युवा मंच अध्यक्ष अमित शाह सहित समाज के गणमान्य सदस्यों की इस समय उपस्थिति रही। आर्यिका माताजी के आशीर्वाद के बाद दीक्षार्थी दीदी ने बताया की उनका जन्म निवाई के पास एक छोटे से गाँव में हुआ था जहां जैन मन्दिर भी नहीं था तथा केवल उनका ही एक जैन परिवार था लेकिन छोटी सी उम्र में ही गणिनी आर्यिका विशुद्ध मति माताजी का ऐसा आशीर्वाद मिला की धर्म के पथ पर बढ़ते हुए आत्म कल्याण की और अग्रसर हो कर माताजी द्वारा श्रवण बेल गोला में दीक्षा हेतु आशीर्वाद प्राप्त हुआ है ।

मुनि श्री अनुकरण सागर जी महाराज द्वारा तीन सो बच्चों को दिये बाल संस्कार

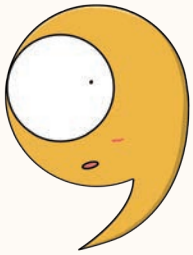

कवि नगर, गाजियाबाद. शाबाश इंडिया। मुनि श्री अनुकरण सागर जी महाराज द्वारा तीन सो बच्चो को बाल संस्कार दिये गये। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर कवि नगर, गाजियाबाद रविवार, 20 अगस्त को हुआ यह भव्य आयोजन ।

रोटरी क्लब का अधिष्ठापन समारोह सम्पन्न

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब का अधिष्ठापन एवं शपथ ग्रहण समारोह रविवार को रोटरी भवन में संपन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश पी के शर्मा रहे। विशिष्ट अतिथि एवं शपथ अधिकारी रोटरी प्रान्तपाल मनोनीत राहुल श्रीवास्तव थे। नई कार्यकारिणी में सुधीर गुप्ता अध्यक्ष, विनोद सोनी उपाध्यक्ष, राजेश शर्मा कोषाध्यक्ष, राम कन्हौआ सचिव, आकाश चौधरी सह सचिव ,राजेश सेठ क्लब ट्रेनर, सुभाष जैन बुलेटिन एडिटर, बरुण सेठ ने सार्जेंट एट आर्म्स के पद की शपथ ग्रहण की। इसके अलावा डायरेक्टर्स के रूप में डॉ.राकेश जैन, अक्षय जैन, विजय चौधरी, दया सिंह संधू, माधव सिंह रघुवंशी एवं धीरेंद्र रघुवंशी को भी शपथ दिलाई गई। साथ में नए सदस्यों को शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों, खिलाड़ियों एवं रक्त दाताओं का सम्मान किया गया। निर्धन प्रतिभावान छात्र को पढ़ाई जारी रखने के लिए सहायता राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर पूर्व रोटेरियन्स, डॉक्टर्स, वकील के अलावा बड़ी संख्या में गणमान्य जनों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन नीलू सेठ एवं राजेश सेठ ने किया। आभार प्रदर्शन अजीत जैन द्वारा किया गया।

ज्ञानतीर्थ पर महिलाओं ने मनाया तीज का त्योहार

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर में ज्ञानोदय समिति की महिलाओं ने तीज का त्योहार हर्षोल्लास पूर्वक मनाया। हरियाली तीज के पावन पर्व पर ज्ञानोदय समिति की सभी महिलाएं सुबह सबेरे ही धौलपुर आगरा हाइवे पर स्थित श्री ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर पहुंच गई। सभी ने सर्वप्रथम भगवान श्री आदिनाथ एवम श्री पार्श्वनाथ की पूजा अर्चना की व ज्ञानतीर्थ पर चतुर्मासरत आचार्य श्री ग्येयसागर महाराज, मुनिश्री ज्ञातसागर महाराज, मुनिश्री नियोगसागर महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। सावन की हरियाली और बारिश की फुहारों के बीच हरियाली तीज महोत्सव ब्र. अनीता दीदी, मंजूला दीदी, ललिता दीदी के निर्देशन में मनाया गया । इस अवसर पर धार्मिक भजन, हाऊजी गेम प्रतियोगिता और हरियाली क्यून प्रतियोगिता रखी गई । कार्यक्रम का संचालन ललिता दीदी और सरिता जैन ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत में सबसे पहले मंगलाचरण शालनी जैन के द्वारा किया गया । उसके बाद सभी महिलाओं को जैन भजन हाऊजी गेम खिलाया गया। हरियाली तीज महोत्सव में सभी महिलाऐं सोलह श्रृंगार करके आई थी जो एक सुहागन महिलाओं का प्रतीक श्रृंगार होता हैं। सभी महिलाओं ने सावन के मल्हार गीत एवम भजन भी गाये । हरियाली तीज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शालनी जैन, द्वितीय स्थान बुलबुल जैन, तृतीया स्थान रुबी जैन ने प्राप्त किया । नेहा जैन ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया । अन्त में सभी ने झुला भी झूले। ज्ञानोदय समिति की सदस्या अनीता जैन, नीलू जैन, मोना जैन, सरिता जैन, कल्पना जैन, बीना जैन, जुली जैन, प्रीति जैन, रीना जैन, मंजु जैन, सुरभि जैन, दीपा जैन, नीलम जैन, बंधन जैन, मीरा जैन, शशी जैन, रुबी जैन, ब्रजलता जैन सभी सदस्य मौजूद रही । इस अवसर पर बामौर, पोरसा और जौरा की भी महिलाऐं उपस्थित रही।

जेएसजी सिद्धा ने दिखाई गदर 2 फिल्म

जयपुर. शाबाश इंडिया। जेएसजी सिद्धा ने गदर 2 फिल्म दिखाई । संस्थापक अध्यक्ष धीरज कुमार- सीमा पाटनी, अध्यक्ष दिनेश-नीलम काला, निवर्तमान अध्यक्ष निर्मल- तारा पांड्या ने बताया कि सिद्धा परिवार के 318 लोगों ने ब्लॉकबस्टर मूवी - गदर 2, फुल मस्ती और एंटरटेनमेंट के साथ एढ, मिराज, जवाहर सर्कल पर देखी। सचिव अंजन-आकांक्षा जैन, उपाध्यक्ष सौरभ- रतिका गोधा, सह सचिव सुरेंद्र-संगीता जैन, कोषाध्यक्ष वीरेंद्र - कविता काला ने बताया कि सभी दंपति सदस्यों ने प्रात: नाश्ता एवं फिल्म के बाद लंच का आनंद लिया। ई पी सेंटर लोन जवाहर सर्किल पर आए हुए सभी सदस्यों का कार्यक्रम संयोजक महेश - पूनम बांचल, वीरेंद्र-कविता काला, वरुण-विनीता सोगानी, हीतेंद्र- नीलम जैन, विपिन- डिंपल पाटनी, पीयूष-नेहा छाबड़ा ने आभार व्यक्त किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज ने वृक्षारोपण दिवस मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। दी एज्यूकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज (सोसाइटी) जयपुर के तत्वावधान में आजादी के अमृत-महोत्सव को मनाते हुए 15 अगस्त से 5 सितंबर 2023 तक अपनी सभी शिक्षण संस्थाओं में विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कार्यक्रम माला में माहेश्वरी पब्लिक स्कूल अजमेर रोड में आज वृक्षारोपण दिवस का आयोजन किया गया। इस शुभावसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शराबबंदी आंदोलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती पूनम अंकुर छाबड़ा एवं विशिष्ट अतिथि ख्यातिलब्ध समाजसेवी कमल खेतान रहे। पूनम अंकुर छाबड़ा ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाया एवं माहेश्वरी सोसायटी द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की। विद्यालय कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हुए विद्यार्थियों को वृक्षारोपण करने व उनके संरक्षण की जिम्मेदारियों से अवगत करवाते हुए इस प्रकृति की हमारे जीवन में उपयोगिता पर अपने आशीर्वचन कहें। विद्यालय मानद् सचिव श्याम सुंदर तोतला, भवन सचिव अरविंद मांधनिया, सुरेंद्र काबरा, प्राचार्या श्रीमती दलजीत कौर, उप-प्राचार्य पवन माहेश्वरी आदि महानुभावों ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत उद्बोधन करते हुए विद्यार्थियों को ईश्वर के अनुपम उपहार वृक्षों के पोषण व संरक्षण का सजग संदेश दिया।

भगवान श्री नेमीनाथ जी का जन्म तप कल्याणक महोत्सव मनाया

राजेश जैन दद्दू, शाबाश इंडिया

इंदौर ।दिगंबर जैन मंदिर रामाशाह मल्हारगंज में आज श्रावण शुक्ला छष्टमी को श्री 1008 भगवान नेमिनाथ स्वामी का जन्म तप कल्याण राष्ट्रसंत आचार्य श्री विहर्ष सागर जी ससंघ के पावन सानिध्य में धूमधाम से मनाया गया राजेश जैन दद्दू ने बताया कि प्रातः 8:00 बजे मूलनायक भगवान श्री नेमिनाथ स्वामी का सभी समाज जनों ने नित्य अभिषेक पूजन किया ।भगवान का जन्म शौरीपुर बटेश्वर में हुआ था आचार्य श्री विहर्ष सागर जी महाराज ने कहां की कल 24 तीर्थंकर भगवान की 24 पालकियों के माध्यम से श्री जी की शोभा यात्रा निकाली जाएगी । उसके पश्चात 23 वे तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान का शिखर जी की कृति पर पार्श्वनाथ टोंक पर निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा। आचार्य श्री ने बताया कि नेमिनाथ भगवान राहु ग्रह के अधिष्ठाता हैं आप सयोग है 22 तारीख और 22वें तीर्थंकर जन्म कल्याण है भगवान के पिता का नाम समुद्र विजय एवं माता का नाम शिवा देवी था इनकी काया 10 धनुष की थी इनकी पहचान शंख चिनन्ह है इस अवसर पर मुख्य रूप से कमल काला निलेश पाटनी योगेंद्र काला अजय पाल टोंगिया पवन जैन एवं सैकड़ों की संख्या में समाज जन उपस्थित हुए और उत्साह के साथ मोक्ष कल्याणक मनाया गया ।

गुरूवार से होगा पंच दिवसीय गुरूभगवंतो की जन्म जयंती कार्यक्रमों का आगाज, अहिंसा भवन शास्त्री नगर मेन

मंत्रों का मंत्र है, महामंत्र नवकार: साध्वी प्रितीसुधा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। मंत्रों मे मंत्र है,महामंत्र नवकार। मंगलवार अहिंसा भवन शास्त्री नगर मे साध्वी प्रितीसुधा ने आयोजित धर्मसभा मे सैकड़ों श्रध्दांलूओ सम्बोधित करतें हुए कहा कि नवकार मंत्र की जो व्यक्ति जप और साधना करता है और शरण ले लेता उसके जीवन कि हर बांधा और विपदा दूर हो जाती है। महामंत्र अनादि है मंत्र है क्योंकि यह अभेद्य मंत्र है। इस मंत्र मे कामना नहीं केवल सद्भावना छिपी हुई है। सर्व श्रेष्ठ मंत्र महामंत्र नवकार नियमित रूप जो इंसान इसका सुमिरन करता है उसके संकट दूर हो जाते और जीवन मे सफलता के साथ वो.आत्मा को पवित्र बना सकता है। इस दौरान धर्मसभा मे चितौड़गढ़, जोधपुर पाली सोजतसिटी आदि क्षैत्रो और उपनगरों से पधारे अनेक अतिथीयो का अहिंसा भवन के आध्यक्ष लक्ष्मण सिंह बाबेल,अशोक पोखरना, हेमन्त आंचलिया,सुशील चपलोत, रिखब चन्द पीपाड़ा एवं चन्दबाला महिला मंडल की अध्यक्षा नीता बाबेल,मंजू पोखरना,संजूलता बाबेल,उमा आंचलिया, रजनी सिंघवी आदि सभी ने शोल माला पहना कर अतिथीयो का स्वागत सम्मान किया।

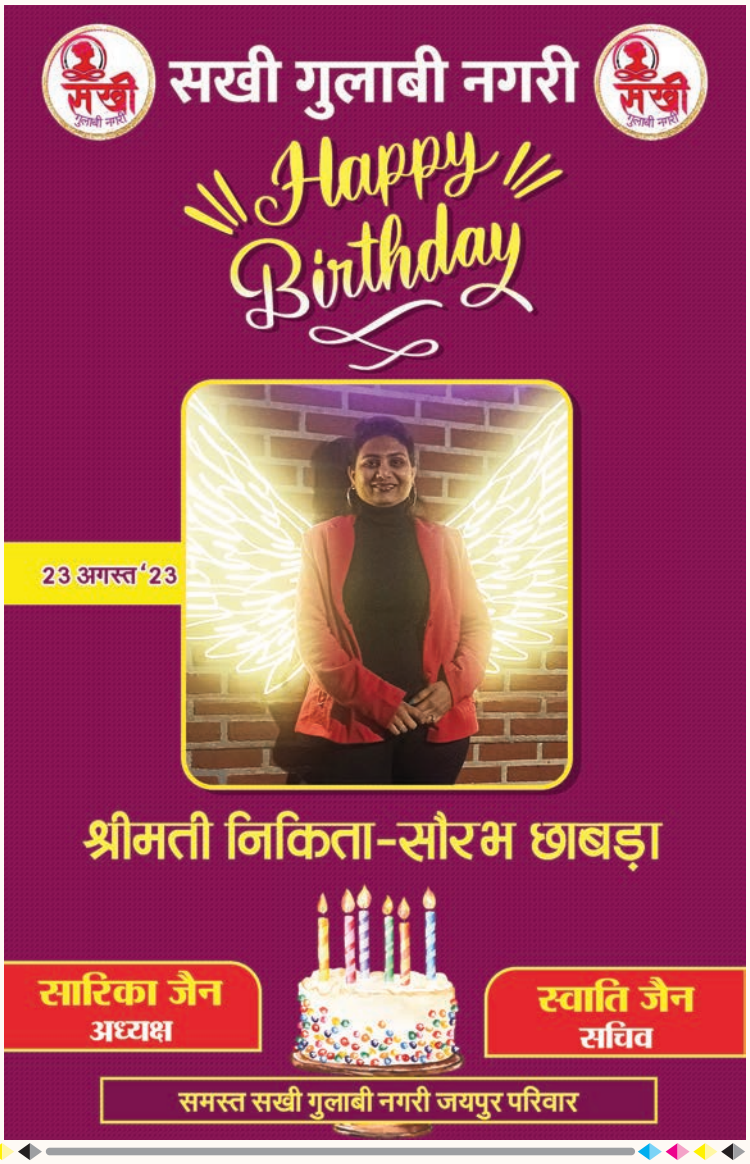

कृष्ण नाम में समाया छह प्रकार के परमात्मा का स्वरूप : शास्त्री

कृष्ण भक्ति से भक्त का जीवन बन जाता सार्थक, होता आत्मकल्याण

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। भगवान श्रीकृष्ण की महिमा अपरम्पार है। उनके नाम कृष्ण ज्योतिष के प्रसिद्ध आचार्य गर्ग मुनि (ऋषि) ने रखा था। छह प्रकार के परमात्मा के स्वरूप का संप्रलिन होने पर कृष्ण शब्द बनता है। एक अक्षर की अद्भुत व्याख्या है जो भक्तों को आनंद रस से सरोबार कर देती है। ये विचार अन्तरराष्ट्रीय श्री रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के अधीन शहर के माणिक्यनगर स्थित रामद्वारा धाम में वरिष्ठ संत डॉ. पंडित रामस्वरूपजी शास्त्री (सोजत सिटी वाले) ने मंगलवार को चातुर्मासिक सत्संग प्रवचनमाला के तहत कृष्ण नाम की व्याख्या करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने गर्ग संहिता के माध्यम से चर्चा करते हुए कहा कि पहला अक्षर क कमलकांत विष्णु से जुड़ा है। रि अक्षर में राम का स्वरूप भी समाया हुआ है। स अक्षर से एश्वर्य पूर्ण श्वेतदीपपति परमात्मा है। ण अक्षर से अभिप्राय नृसिंग भगवान जिसमें विद्यमान हो। शब्दों में अ कार की मात्रा से अग्नि भूख है। शास्त्रीजी ने कहा कि परमात्मा का एक व्यापक अर्थ है कृष्णः इसमें दो विसर्ग है उनसे नर ओर नारायण दोनों समाए हुए है। यह छह स्वरूप जिस शब्द में समाएं होते है तब जाकर पूर्ण रूप से कृष्ण शब्द बनता है। कृष्ण भक्ति करने वाले का जीवन सार्थक हो जाता है। उन्होंने कहा कि जन्म से लेकर मृत्यु तक मनुष्य के भी छह प्रकार के संस्कार होते है। इनमें जातकर्म संस्कार, नामकरण संस्कार, द्विजन्मा संस्कार, मुंडन, विवाह एवं अंत में अंतिम संस्कार। इसी प्रकार छह प्रकार का शुद्धिकरण भी शास्त्रों में बताया गया है। चातुर्मासिक सत्संग के तहत शास्त्रीजी प्रतिदिन भक्ति व साधना से जुड़े नए-नए प्रसंग सुना श्रोताओं को धर्मरस की गंगा में डूबकी लगा आत्मकल्याण की राह पर अग्रसर कर रहे है। सत्संग के दौरान मंच पर रामस्नेही संत श्री बोलतारामजी एवं संत चेतरामजी का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। चातुर्मास के तहत प्रतिदिन भक्ति से ओतप्रोत विभिन्न आयोजन हो रहे है। भीलवाड़ा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु सत्संग-प्रवचन श्रवण के लिए पहुंच रहे है। प्रतिदिन सुबह 9 से 10.15 बजे तक संतो के प्रवचन व राम नाम उच्चारण हो रहा है। चातुर्मास के तहत प्रतिदिन प्रातः 5 से 6.15 बजे तक राम ध्वनि, सुबह 8 से 9 बजे तक वाणीजी पाठ, शाम को सूर्यास्त के समय संध्या आरती का आयोजन हो रहा है।

कैपिटल संगिनी फोरम ने वृक्षारोपण किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जेएसजी इंटरनेशनल फेडरेशन सेवा सप्ताह 13 से 20 अगस्त के सेवा कार्यों में पर्यावरण को स्वच्छ बनाने हेतु ओम शिव ज्योति नगर पार्क में कैपिटल संगिनी फोरम द्वारा वृक्षारोपण किया गया। अध्यक्षा श्रीमती शकुंतला पांड्या के अनुसार जामुन,आम, अमरूद, नीम, अशोक, गुलमोहर आदि के 31पेड़ लगाए गए। पूर्व अध्यक्षा श्रीमती समता गोदीका व मीना जैन चौधरी ने बताया कि समारोह में संगिनी कैपिटल की

अध्यक्षा शकुंतला पांड्या, संस्थापक अध्यक्षा विनीता जैन, व सचिव अलका जैन ,नलिनी जैन, सुनीता पाटोदी, हेमा सौगानी, सपना गोदिका, प्रीति जैन, अनिता कटारिया, मंजू बज, मीना अजमेरा, प्रमिला पहाडिया आदि मौजूद रहीं। संगिनी कैपिटल के इस कार्यक्रम में जेएसजी कैपिटल के अध्यक्ष अनिल -प्रेमा रांवका, पूर्व अध्यक्ष दर्शन बाकलीवाल, सुधीर गोधा, पार्षद भरत मेघवाल व स्थानीय निवासियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम पुण्यार्जक व सचिव अलका - सुधीर गोधा ने सभी आगंतुक लोगों का इस पूण्य कार्य में सहभागी बनने के लिए धन्यवाद व आभार प्रकट किया।

रूप रजत विहार में तप की बहार, तीन तपस्वियों ने लिए 9 के प्रत्याख्यान

महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में नियमित चातुर्मासिक प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जीवन में जैसे भी संभव हो तपस्या, साधना अवश्य करनी चाहिए। हमारी आत्मा को निर्मल व शुद्ध बनाने का माध्यम तपस्या होती है। कोई तपस्या नहीं कर सकता है तो उसे तपस्या के अनुमोदन का लाभ अवश्य लेना चाहिए। तपस्वी की अनुमोदना भी पुण्य अर्जित कराता है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में मंगलवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में तपस्वियों की अनुमोदना करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि तपस्या से आत्मजागृति के साथ अद्भुत शक्ति की प्राप्ति होती है ओर हमारा आत्मविश्वास व आत्मबल भी मजबूत होता है। जीवन में तप की महिमा अपरम्परा है, तप के बिना नहीं खुलता मुक्ति का द्वार है। रूप रजत विहार में 24 अगस्त से मरूधर केसरी मिश्रीमलजी म.सा. की 133वीं जयंति एवं एवं लोकमान्य संत शेरे राजस्थान रूपचंदजी म.सा. की 96वीं जयंति के उपलक्ष्य में अष्ट दिवसीय गुरू द्वय पावन जन्मोत्सव आयोजन का आगाज सामूहिक तेला तप साधना से होने वाला है। इससे पूर्व ही तपस्या की गंगा प्रवाहित हो रही है। मंगलवार को वैरागन बहन पूजा, सुश्राविका प्रीति मोदी एवं सौमा नाहर ने 9-9 उपवास के प्रत्याख्यान लिए तो पूरा रूप रजत विहार परिसर हर्ष-हर्ष, जय-जय के साथ तपस्वियों की अनुमोदना के जयकारों से गूंजायमान हो उठा। श्रीसंघ के तत्वावधान में तपस्वियों का सम्मान तपस्या की भावना व्यक्त करने वाली श्राविकाओं ने किया। इस अवसर पर श्री अरिहन्त विकास समिति के पदाधिकारियों ने भी अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा के नेतृत्व में वैरागन बहन पूजा का सम्मान किया। जैन कॉन्फ्रेंस महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा राजेन्द्र गोखरू ने भी वैरागन पूजा का सम्मान किया। साध्वीमण्डल ने तपस्वियों के प्रति हार्दिक मंगलभावनाएं व्यक्त करते हुए उनकी तपस्या की अनुमोदना की। आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा. ने कहा कि तपस्या करने वालों को देखकर जिसने कभी तपस्या नहीं की हो उसके भी भाव जागृत हो जाते है। तपस्या करना आसान नहीं होता है इसके लिए किसी ओर से नहीं अपनी काया से लड़ना होता है। अपनी काया पर विजय प्राप्त करके ही तपस्या हो सकती है। उन्होंने कहा कि वैरागन पूजा के 9 उपवास की तपस्या के पीछे पूज्य दर्शनप्रभाजी म.सा. से मिली प्रेरणा का भी योगदान रहा। अन्य साध्वीवृन्द ने भी निरन्तर सहयोग व आशीर्वाद मिलने से तपस्वी का मनोबल बढ़ा। मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि तपस्या करने से सबसे बड़ा लाभ स्वयं को होता है ओर हमारी आन्तरिक सफाई होकर आत्मा निर्मल बनती है। तपस्या करने के लिए प्रोत्साहित करने वालों ओर अनुमोदना करने वालों को भी धर्मदलाली का लाभ मिलता है ओर पुण्याजर्न होता है। गुरू चरणों में भावाजंलि व श्रद्धाभाव व्यक्त करने के लिए तपस्या सबसे श्रेष्ठ माध्यम है। धर्मसभा में तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने श्रावक के 12 व्रतों की चर्चा करते हुए कहा कि जब तक व्रत ग्रहण नहीं करे हम खुले है ओर सभी प्रकार के दोष हमे लगते है लेकिन व्रत ग्रहण कर उनको सीमित कर सकते है। जीवन में कभी किसी को गलत सलाह नहीं देनी चाहिए या गलत कार्य के लिए प्रोत्साहित नहीं करना चाहिए। ऐसा करने पर जीवन में हमे भी कष्ठ उठाने के साथ भटकाव सहना पड़ता है। धर्मसभा में सेवाभावी साध्वी दीप्तिप्रभाजी म.सा. एवं तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. का भी सानिध्य रहा। धर्मसभा में तपस्वियों की अनुमोदना में प्रेमचंद गुगलिया, लीला जैन, निशा हिंगड़, वैरागन मोना आदि ने गीत व विचार व्यक्त किए। धर्मसभा का संचालन युवक मण्डल के मंत्री गौरव तातेड़ ने किया। श्री अरिहन्त विकास समिति के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सुकलेचा ने बताया कि चातुर्मासिक नियमित प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक हो रहे है। प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना का आयोजन हो रहा है। प्रतिदिन दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र जाप हो रहा है।

दीक्षा का मार्ग प्रशस्त हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। आमेर नगर की धरा पर भगवान पार्श्वनाथ जिनालय में आज प्रातः बेला में भगवान नेमिनाथ के जन्म कल्याणक एवं तप कल्याणक महोत्सव में श्री जी का पंचामृत अभिषेक हुआ । गुरुदेव के मुखारविंद से शांति धारा उच्चारित हुई संसार के समस्त प्राणियों के लिए शांति और मंगल की कामना की गई। उक्त जानकारी देते हुए प्रचार संयोजक रमेश गंगवाल ने बताया दीक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत दीक्षार्थी महानुभाव का मंगल स्नान एवं हल्दी तथा मेहंदी का कार्यक्रम संपन्न हुआ। संध्या समय श्री दिगंबर जैन मंदिर नेमी नाथ स्वामी सांवला जी से दीक्षार्थी महानुभाव की भव्य बिंदोरी यात्रा निकाली गई, दीक्षार्थी भैय्याजी ने उपस्थित जनों को प्रभावना अपने कर कमलों से दी। नगर के निवासियों ने जय जयकार करते हुए दीक्षार्थी महानुभाव को साष्टांग प्रणाम किया ,और उनके वैराग्य भावना की अनुमोदना की। चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रुपेंद्र छाबड़ा ने बताया गुरुदेव ने दीक्षार्थी महानुभाव से कहा मन को थकाने वाला कार्य नहीं करना चाहिए ।आहार से निवृत होकर मन को सजग और शांत रखना चाहिए । ताकि समायिक उत्साह पूर्वक हो सके। सामायिक साधना की एक कसौटी है ,सामायिक में एकाग्रता जितनी होगी, साधना का आनंद भी उतना ही अद्भुत होगा। साधना का यही आनंद ज्ञान में निखार लायेगा ,तथा महावीर पथ की ओर अग्रसारित करेगा।

भगवान नेमिनाथ का जन्म तप कल्याणक बड़े ही धूमधाम से मनाया

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया। भगवान नेमिनाथ को मोक्ष निर्वाण प्रातः गुजरात के गिरनार पर्वत पर हुआ था। आज प्रातः जैन मंदिर मे जैन संत परम पूज्य मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज के सानिध्य में जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर गिरनार वाले बाबा का जन्म कल्याण के पावन अवसर पर 1008 नेमिनाथ भगवान की भव्य प्रतिमा पर स्वर्णमई कलश से प्रथम अभिषेक एवं शांति धारा सोहन लाल- शाकुन्तल देवी सोगानी रांची वाले को प्राप्त हुआ ओर सौधर्म इन्द्र बनने का सौभाग्य विशाल पाटनी, तामसा महाराष्ट्र को प्राप्त हुआ।उसके पश्चात 108 जोड़ों के द्वारा नेमीनाथ भगवान का जन्म महोत्सव की झलकियां के साथ विधान की पूजा की अर्घ नाचते गाते भक्ति की सागर में डूब कर श्रद्धालु भक्तों ने श्री 1008 नेमिनाथ भगवान के चरणों मे जन्म ओर तप कल्याणक का अर्घ समर्पित किया । आज से कई हजार वर्ष पूर्व है जैन धर्म के अनुसार कृष्ण भगवान के चचेरे भाई नेमिनाथ भगवान का जन्म शोरीपुर बटेश्वर उत्तर प्रदेश में हुआ तब से भगवान का कल्याणक महोत्सव पूरे विश्व मे धूमधाम से मनाया जाता है ।

पिता- पुत्री ने फोटोग्राफी में लेकसिटी का बढ़ाया मान

शाबाश इंडिया

उदयपुर। वर्ल्ड फोटोग्राफी डे के अवसर पर जयपुर के जवाहर कला केंद्र में आयोजित तीन दिवसीय नजर फोटो एग्जीबिशन सीजन झ 2023 में उदयपुर की शौकिया फोटोग्राफर विदुषी धाकड़ की फोटो कृति को फीमेल कैटेगरी में पुरस्कृत किया गया। एग्जीबिशन संरक्षक और आयोजक रेणुका कुमावत ने बताया कि इस एग्जीबिशन में विजेताओं का चयन तीन सदस्यीय जूरी पुरूषोत्तम दिवाकर, हिमांशु व्यास और सुरेंद्रसिंह चौहान ने विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं का चयन किया। इसी तरह वर्ल्ड फोटोग्राफी डे के अवसर पर 'वाइब्रेंट कलर ऑफ राजस्थान' थीम पर रूपेश डूडी स्मृति में पृथ्वीराज फाउंडेशन, अजमेर द्वारा आयोजित परिपक्व नेशनल फोटो कॉन्टेस्ट झ 2023 में उदयपुर के शौकिया छायाकार/पत्रकार संजय धाकड़ के फोटोग्राफ को ऑनरेबल मेंशन सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। प्रतियोगिता आयोजक अनिल कुमार जैन, दीपक शर्मा और नदीम खान ने बताया कि राजस्थान सहित देश भर से सात अन्य राज्यों से विजेताओं का चयन तीन सदस्यीय जूरी उमेश गोगना, राजेश कुमार सिंह और ताराचंद गवारिया ने किया। उल्लेखनीय है कि पिता - पुत्री की शौकिया फोटोग्राफर इस जोड़ी ने विश्व फोटोग्राफी दिवस पर पुरस्कार विजेता बनकर जिस प्रकार झीलों की नगरी का परचम लहराया है इस पर अपनी पहली कामयाबी का सारा श्रेय विदुषी ने अपने माता- पिता की परवरिश और पारिवारिक संस्कार तथा आदर्शों को समर्पित किया।

रिपोर्ट/ फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

क्या आप कोई दवा आंखों के लिए बता सकते हैं जिससे आंखों की नजर बढ़ जाए और चश्मा छूट जाए?

बस नीचे दिया गया यही इलाज कर लो तो आपकी आंखों की नजर बढ़ जाएगी और चश्मा एक महीने के अंदर छूट जायेगा।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर।
9828011871

दूध: आंखों की नजर बढानी है तो आपको बस एक बूंद दूध आंख में डालनी है। आपको ये हप्ते में एक बार या दो हप्ते में एक बार ये काम करना है। आपको दूध बिना तपा हुआ लेना है आप गाय, भैस का भी ले सकते हो पर सबसे अच्छा तो बकरी का दूध बताया है। इस उपाय से आपकी नजर पहिले दिन से ही बढना चालू होगी और धीरे धीरे आपका चश्मा छूट जाएगा। अगर आपके बच्चो को भैंगापन की समस्या है तो आपको रोजाना एक बूंद उनके आंखों में डालनी है। ये प्रक्रिया ३ महिने तक करने से आपके बच्चो को भैंगापन की समस्या बिना ऑपरेशन की ठीक हो जाएगी।

पान: हम इसे खाने का पान भी कहते हैं। आपको एक पान लेना है उसे अच्छे से धोना है ओर उसे हाथ पर रगड रगड कर उसकी एक बूंद आंख में डालनी है । जिनको आंखों की ज्यादा समस्या है उन्होंने हप्ते में दो बार ये इलाज करना है और जिनको थोडी समस्या है वो हप्ते मैं एक बार कर सकते हैं। ये इलाज करने के पहिले दिन से ही आपको आपके चष्मे का नंबर कम होता महसूस होगा। इस उपाय से आंख लाल होना, आंखों को सुजन आना, आंखों का पीला होना, आंखों मैं दर्द होना इन सारी समस्या दूर हो जाती हैं ।

लार: आपको सुबह उठकर आपकी जीभ की लार दोनो आंखों मैं लगानी हैं। ये उपाय करने से आपकी आंखों की नजर बढ़ जाएगी और चश्मा छूट जाता है। ये उपाय आपको हप्ते मैं एक बार करना हैं।

क्रेस्टलिक्स दवा: क्रेस्टलिक्स एक बहुत ही दुर्लभ जडीबूटी से बनी हुई दवा है। इस दवा के सेवन से आपकी खोई हुई रोशनी वापस मिलती है चश्मा का नंबर कम होता है ओर आखों की समस्या से राहत मिलती है। आपको ये गोली २० दिन तक लेनी हैं।

दोस्तों आज ही इन उपायो में से एक को करना चालू करो और आपको क्या रिजल्ट मिला कॉमेंट मे जरूर बताओ। **(चेतावनी - डॉक्टर की सलाह जरूर ले)।**

तीर्थंकर पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक

22वें तीर्थंकर नेमिनाथ के मोक्ष जाने के हजारों वर्षों बाद 23वें तीर्थंकर पारसनाथ (पार्श्वनाथ) स्वामी का जन्म हुआ था। इस जंबूद्वीप, भरत क्षेत्र काशी देश में बनारस नाम का एक नगर है। उसमें कश्यप गोत्री राजा विश्वसेन राज्य करते थे। उनकी रानी का नाम ब्राह्मी था। जब सोलहवें स्वर्ग के इन्द्र की आयु छह मास की अवशेष रह गई थी, तब इन्द्र की आज्ञा से कुबेर ने माता के आँगन में रत्नों की बरसात शुरू कर दी थी। रानी ब्राह्मी ने सोलह स्वप्नपूर्वक वैशाख कृष्णा द्वितीया के दिन इन्द्र के जीव को गर्भ में धारण किया था। नवमास पूर्ण होने पर पौष कृष्णा एकादशी के दिन पुत्र का जन्म हुआ था। इन्द्रादि देवों ने सुमेरू पर्वत पर ले जाकर तीर्थंकर शिशु का जन्माभिषेक करके ह्यपार्श्वनाथ' नामकरण किया था। इनकी आयु सौ वर्ष की थी । प्रभु की कांति - देहवर्ण मरकट मणि सदृष्य हरितवर्ण थी एवं शरीर की ऊँचाई नौ हाथ प्रमाण थी। ये उग्रवंशी थे । भगवान पार्श्वनाथ ने 30 वर्ष की अल्पायु में ही तप धारण कर लिया था। सोलह वर्ष की आयु में पार्श्वनाथ एक दिन अपने इष्ट मित्रों के साथ वन में गए हुए थे, तब मार्ग में पंचाग्नियों में तप करता हुआ एक साधु मिला वह अग्नि को प्रदीप करने के लिए कुल्हाड़ी से एक मोटी लकड़ी को काटना चाह रहा था । अवधी ज्ञान से जानकर भगवान पार्श्व न लकड़ी को काटने के लिए मना किया और कहा किया इसके भीतर 2 प्राणी बैठे हुए हैं । किन्तु मना करने पर भी उसने लकड़ी काट ही डाली, तत्क्षण ही उसके भीतर रहने वाले सर्प और सर्पिणी निकल पड़े और घायल हो जाने से छटपटाने लगे। पीड़ा से तड़पते हुए सर्प के जोड़े को भगवान पारसनाथ ने शांत होने का उपदेश दिया और उन्हें पंच नमस्कार (णमोकार महा मंत्र) मंत्र सुनाया जिसके प्रभाव से वे शांतभाव को प्राप्त हुए तथा मरकर बड़े ही वैभवशाली धरणेन्द्र और पद्मावती हो गये। इधर कमठ का जीव महिपाल भी मरकर स्वर्ग का शम्बर नाम का ज्योतिषी देव हुआ। अनंतर कुमार जब तीस वर्ष के हो गये, तब एक दिन अयोध्या के राजा जयसेन ने उत्तम घोड़ा आदि की भेंट के साथ अपना दूत भगवान पार्श्वनाथ के समीप भेजा। भगवान ने भेंट लेकर उस दूत से अयोध्या की विभूति पूछी। उत्तर में दूत ने सबसे पहले भगवान ऋषभदेव का वर्णन किया पश्चात अयोध्या का हाल कहा। उसी समय ऋषभदेव के सदृश स्वयं को तीर्थंकर प्रकृति का बन्ध हुआ है, मैने सचमुच में एक सामान्य मनुष्य की तरह अपनी आयु के 30 वर्ष व्यर्थ गवां दिए यह विचार करते हुए उन्हें आत्मज्ञान प्राप्त हो गया और विषय वासना को छोड़कर दीक्षा लेने का निश्चय कर लिया ।ऐसा सोचते हुए भगवान गृहवास से पूर्ण विरक्त हो गये और लौकांतिक देवों द्वारा पूजा को प्राप्त हुए। प्रभु देवों द्वारा लाई गई विमला नाम की पालकी पर बैठकर अश्व वन में पहुँच गये। वहाँ त्रिदिवसीय उपवास का नियम लेकर पौष कृष्णा एकादशी के दिन प्रात:काल के समय सिद्ध भगवान को नमस्कार करके प्रभु तीन सौ राजाओं के साथ दीक्षित हो गये। प्रथम पारणा के दिन गुल्मखेट नगर के धन्य नामक राजा ने अष्टमंगलद्रव्यों से प्रभु का पड़गाहन कर प्रथम पारणा पायस का आहारदान में देकर पंचाश्चर्य प्राप्त कर लिये। छद्मस्थ अवस्था के चार मास व्यतीत हो जाने पर भगवान अश्ववन नामक दीक्षावन में पहुंचकर देवदार वृक्ष के नीचे विराजमान होकर ध्यान में लीन हो गये। इसी समय कमठ का जीव शम्बर ज्योतिषी आकाशमार्ग से जा रहा था, अकस्मात उसका विमान रुक गया, उसे विभंगावधि से पूर्व का बैर बंध स्पष्ट दिखने लगा। बदले की भावना से क्रोधवश महागर्जना, महावृष्टि, तूफान आदि से महा उपसर्ग करना प्रारम्भ कर दिया । बड़े-बड़े पहाड़ तक लाकर तप में लीन पार्श्वप्रभु के समीप गिराये इस प्रकार उसने सात दिन तक लगातार भयंकर उपसर्ग किया। अवधिज्ञान से यह उपसर्ग जानकर धरणेन्द्र अपनी भार्या पद्मावती के साथ पृथ्वी तल से बाहर निकलकर भगवान को सब ओर से घेरकर अपने फणाओं के ऊपर उठा लिया और उसकी भार्या छत्र तान कर खड़ी हो गई। इस तरह स्वभाव से ही क्रूर प्राणी इन सर्प-सर्पिणी ने अपने ऊपर किये गये उपकार को याद रख कर तपस्या में लीन भगवान पर उपसर्ग के समय रक्षा की। तदनंतर ध्यान के प्रभाव से प्रभु का मोहनीय कर्म क्षीण हो गया इसलिए बैरी कमठ का सब उपसर्ग दूर हो गया। मुनिराज पार्श्वनाथ ने चैत्र कृष्णा चतुर्थी के दिन प्रात:काल के समय विशाखा नक्षत्र में लोकालोकप्रकाशी केवलज्ञान को प्राप्त कर लिया। उसी समय इन्द्रों ने आकर समवसरण की रचना करके केवलज्ञान की पूजा की। शंबर नाम का देव भी काललब्धि पाकर उसी समय शांत हो गया और उसने सम्यग्दर्शन प्राप्त कर लिया। **संकलन: भागचंद जैन मित्रपुरा, अध्यक्ष अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम जयपुर**